





# आरथा की डुबकी लगाकर मोदी ने दिया एकता का संदेश

■ महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी श्रद्धा के साथ किया त्रिवेणी संगम में स्नान ■ वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री ने लगाई पावन डुबकी

महाकुंभ नगर, 5 फरवरी (देशबन्धु)। नरेंद्र मोदी ने बुधवार को महाकुंभ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पूरी श्रद्धा के डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी आस्था और ब्रह्म के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लागाने से पहले प्रधानमंत्री ने भगवान् सूर्य को अर्घय दिया। इस दौरान वह रुदाक्ष की माला का जप करते थी नजर आए। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की अराधना करते हुए उन्होंने पावन डुबकी लगाई। डुबकी लागाने के बाद उन्होंने गंगा पूजन और आरती भी की। इससे पूर्ण प्रधानमंत्री के प्रयागराज आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्का स्नान तिर्यक किया।

त्रिवेणी संगम पर डुबकी लागाने से पूर्ण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधिवत् पूजा अर्चना की। संगम में उत्तरने से पहले पीएम ने सबसे पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर सूर्य को अर्घय दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विश्व विधान से पूजन अर्चना भी किया। काले त्वंतेरी और भगवान् पटके व हैलांची योगी पहले पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षय, नैवेद्य, पूष्य, फल और लाल चुनरी अपूर्ति की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों को आरती भी उतारी। वहा मौजूद तीर्थ पुरोहित ने



उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चने के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हैलीपैड की ओर रवाना हो गए।

महाकुंभ में जहां दुनिया भर के ब्रह्मालुओं का समागम हो रहा है, वहां प्रधानमंत्री ने पावन डुबकी के माध्यम से पूरी दुनिया को एक भारत श्रेष्ठ भारत और ब्रह्मवृक्षकम का

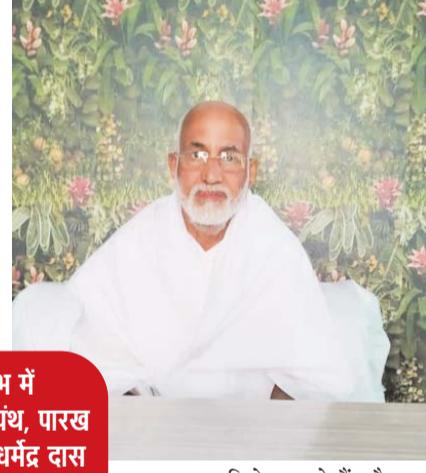
संदेश दिया। बुधवार को पीएम मोदी का संगम स्नान बहुत महाल्पूर्ण और ऐतिहासिक क्षण रहा। इस दौरान विशिष्ट योग का भी संयोग रहा। दरअसल, बुधवार का दिन विशेष था, क्योंकि हिंदू पंचांग के अनुसार इस समय गुप्त नवरात्रि चल रही है और बुधवार को भी शुभार्थ किया था। यहां नहीं जहां देवी पूजन किया जाता है तो वहां, भीष्माष्टी पर ब्रह्मालुओं का साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नहीं आ रही है। इसी का नतीजा है कि मार्च 24 दिनों में अब तक 39 करोड़ ब्रह्मालु संगम में पावन डुबकी लगा चुके हैं।

इससे पूर्व पीएम मोदी ने डुबकी भी प्रधानमंत्री संगम में पावन डुबकी संगम में एक माह पूर्व

दिनबार को प्रयागराज के दौरा किया था और 5500 करोड़ रुपए

की 167 परियोजनाओं की सौगत दी थी। इसके बायीं सुविधाओं के लिए रेलवे स्टेशनों के अग्रेसिन, डेवलपर्मेंट के साथ-साथ आरओबी प्लाईआरेक, सड़कों का चौड़ीकरण, सुरक्षाकरण और दैर्घ्यावधि के लिए रेलवे स्टेशनों के अग्रेसिन, डॉकरिंग, भारद्वाज श्रीराम कारिंगर, श्रीकृष्णपुर धाम कॉर्टियर के शुभार्थ किया था। इन पारोजनाओं और कॉर्टियर के शुभार्थ के उद्देश्य न सिर्फ ब्रह्मालुओं के लिए महाकुंभ के अनुभव को यादगार बनाना था, बल्कि तीर्थराज प्रयागराज को प्रगति को नई दिशा दिखाना भी था।

## कबीरपंथी भी 'एकता के महाकुंभ' के संकल्प का कर रहे समर्थन



महाकुंभ नगर, 5 फरवरी (देशबन्धु)। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक सम्मेलन महाकुंभ में भारत की सनातन आस्था से जुड़े हुए सभी मत, पंथ और संप्रदाय को मानने वाले प्रयाग में संगम तट पर एकत्रित होते हैं। जिनके जान, भक्ति और वैराग्य की त्रिवेणी में संस्कार कर महाकुंभ में अक्षय, नैवेद्य, पूष्य, फल और लाल चुनरी अपूर्ति की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों को आरती भी उतारी। वहा मौजूद तीर्थ पुरोहित ने

महाकुंभ के समर्थन करते हुए संकल्प का जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ और गंगा स्नान के बारे में बहुत एहु धर्मेंद्र दास जी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ में अयोगी ने गंगा स्नान के बारे में जीव





# खेल जगत

वनडे क्रिकेट हाशिये  
पर चला गया है,  
लेकिन खिलाड़ी अभी  
भी इसे प्रसंद करते हैं:  
जोस बटलर

नागपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के वनडे के क्रिकेट को हाशिये पर धकेल दिया गया है और क्रिकेट शिलिंग पर अपनी जगत बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह टी20 विश्व कप की तुलना में वनडे विश्व कप के बाद से भारत में अपना पहला बल्डे मैच खेल रहा है, जबकि भारत ने अन्य दूसरा टी20 विश्व कप खिलाया जाने वाले वर्ष में केवल तीन 50 ओवर की मैच खेले हैं। दोनों टीमों को इस महीने के अंत में चैंपियंस ट्रॉफी की शृंखला के साथ दूसरे मैच में उत्तरेंगे।



# रोहित और विराट से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

■ चैंपियंस ट्रॉफी से पहले रंगत वापस पाने का आखिरी मौका ■

## सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 5 फरवरी (देशबन्धु)। भारत के लिए इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में बृहस्पतिवार से पहले वन डे अंतर्राष्ट्रीय से शुरू हो रही तीन मैचों की सीरीज आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से इस सवालों का जवाब तलाशने के लिए बेहद अधिक है। यहां तक कि उसने बीते बरस अगस्त से एक भी वन डे मैच नहीं खेला है। भारत के अंस्ट्रेलिया में उससे पांच टेस्ट मैचों की बार्ड - गावसक ट्रॉफी 1-3 से हारने और उसके बाद अपनी अपनी रणजी टीमों के लिए खेले इकलौते मैच में भी अपने दोनों धूमधार बल्लेबाजों के साथ रोहित शर्मा और विराट कोहली के नाकाम रहने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ वह वन डे एक सवालों का जवाब देने चाहे। रणजी ट्रॉफी में रोहित मुंबई के लिए जम्मू - कशीगढ़ के खिलाफ रणजी मैच में 3 और 28 रन बना कर जबकि विराट रेलवे के खिलाफ इंग्लैंड पारी में 15 गेंद खेल मात्र एक चौका लगा छह रन बनाकर आउट हुए। विराट अंस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जड़ लेकर टेस्ट सीरीज में एक ही अंदराज में आँफ स्टॉप के बाहर जाती गेंद पर केच थमा आउट हुए। अपनी इस दिवकर से निपटने के लिए विराट ने रणजी मैच से पहले मुंबई में भारत के पूर्व और आरसीबी के बल्लेबाजों कोच संजय बांगड़ के साथ महेन्द्र की। वन डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए बतौर सलामी बल्लेबाज और विराट के लिए तीसरे बल्लेबाज के रूप में सबसे बेहतरीन फार्मेंट है। विराट ने भारत के 2023 में अंस्ट्रेलिया के पहले मैच में हारने के बाद उससे वन डे विश्व कप जितने में अहम भूमिका निभाने वाले ट्रैपघंट पांत में से कौन इंग्लैंड और चैंपियंस ट्रॉफी में कौन एक विकेटकोरिंग करेगा। या फिर ये दोनों ही एकदिश में शामिल रहेंगे और केएल राहुल खालिस बल्लेबाज के रूप में शतक जड़ लेकर टेस्ट सीरीज में तीन मैचों में 157 रन बनाए थे। भारत ने इंग्लैंड से बीते चार बरस



## एफसी गोवा के खिलाफ आईएसएल में पहली जीत दर्ज करने उत्तरेंगी ओडिशा एफसी

फतोर्दा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। एफसी गोवा गुरुवार को शाम 7:30 बजे फतोर्दा रिस्थित अपने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इंग्लैंड सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में ओडिशा एफसी की मेजबानी करेगी, तो गोसं की जागरूकता और आगामी दूसरे वर्ष अंस्ट्रेलिया में गोवा गोवा एक जीत दर्ज करना होगा, क्योंकि उन्होंने 4 जनवरी को खेला गया रिवर्स फिक्स्चर 4-2 से जीत था। वहां, ओडिशा एफसी आईएसएल के इतिहास में पहली बार एफसी गोवा पर जीत दर्ज करना होगा। एफसी गोवा 18 मैचों में नौ जीत, छह झड़ा और तीन रोने से 33 अंक लेकर तालिका में तीसरे बार लीग डबल पूरा करना होगा, क्योंकि उन्होंने 4 जनवरी को खेला गया रिवर्स फिक्स्चर 4-2 से जीत था। वहां, ओडिशा एफसी 18 मैचों में छह जीत, सात झड़ा और पांच हार से 25 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। ओडिशा एफसी लीग पकड़ी नजर आ रही है, क्योंकि उन्होंने अपने पिछले मैच में नौथिस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ घर पर 2-2 से द्वा खेला था और उससे पहले बैंगलुरु एफसी को 3-2 से हारा था।

### गोसं की जीत का सिलसिला

घरेलू फॉर्म: गोसं ने ओडिशा एफसी के खिलाफ तीनों घरेलू मैच जीते हैं, जिसमें तीन-तीन तीन गोल किए हैं।



शॉट लेने वाले: आईएसएल 2024-25 में गोसं की शॉट रूपांतरण दर 12.8 फॉसदी है।

उन्होंने सभी टीमों में छाँथी सबसे अधिक शॉट (195) लगाया और चौथे सबसे ज्यादा (33) किए हैं।

जगरनॉर्ट्स गोल करते हैं

मजबूत आक्रमण: ओडिशा एफसी के 36 गोल इस सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा हैं, जिसमें डिल्गोंगो, मौरिसियो, जैरी जिसमें पहली पारी में 65/4 रन का विश्वास आपने किए हैं।

माविहमिंगथांगा और मुर्दवा फॉल का योगदान क्रमशः 9, 5 और 4 गोल हैं।

फॉल का प्रभाव: मुर्दवा फॉल ने इस सीजन में 21 बॉल्कं दब्जे किए हैं, जिससे वह 20 से ज्यादा ब्लॉक के बाले दूसरे खिलाड़ी (एलेवन साती - 23 के बाद) है।

### आपने-सामने

आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए हैं। एफसी गोवा ने सात बार जीत दर्ज की है और चार मैच झड़ा रहे हैं। इस मैच में औसतन 3.27 गोल हुए हैं।

### कोच कार्नर

गोसं के स्पेनिश हेंड कोच मैनोलो मार्केजे ने जापेदपुर एफसी से 3-1 की हार के बाद एफसी गोवा को फिर से फॉर्म पाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, 'हमें वेसे ही खेलना होगा जैसा हम खेलते रहे हैं और मुकाबलों की तरह प्रतिस्पर्धी होगा।'

जगरनॉर्ट्स के सहायक कोच एंथोनी फर्नांडिस के लिए हेंडलिंग स्टाइल पर बात की। उन्होंने कहा, 'हमें गेंद कब्जे में रखना पसंद है और हम काफी हड़तक तक तक रेसा करते हैं। हम बहुत सारे मौके बनाकर अपनी क्रिएटिविटी दिखाते हैं।'

जगरनॉर्ट्स गोल करते हैं

मजबूत आक्रमण: ओडिशा एफसी के 36 गोल इस सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा हैं, जिसमें डिल्गोंगो, जैरी

जिसमें पहली पारी में 65/4 रन का विश्वास आपने किए हैं।

गोसं की जीत का सिलसिला

घरेलू फॉर्म: गोसं ने ओडिशा एफसी के खिलाफ तीनों घरेलू मैच जीते हैं, जिसमें तीन-तीन तीन गोल किए हैं।

प्रभाव के बाले: इस सीजन में गोसं की जीत का अधिक ब्लॉक्स (2022 में) में 40.85 की औसत से 24 विकेट लिए हैं, जबकि 52 की औसत से 260 रन भी बनाए हैं। अंस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है।

गोसं की जीत का सिलसिला

मजबूत आक्रमण: ओडिशा एफसी के 36 गोल इस सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा हैं, जिसमें डिल्गोंगो, जैरी

जिसमें पहली पारी में 65/4 रन का विश्वास आपने किए हैं।

गोसं की जीत का सिलसिला

घरेलू फॉर्म: गोसं ने ओडिशा एफसी के खिलाफ तीनों घरेलू मैच जीते हैं, जिसमें तीन-तीन तीन गोल किए हैं।

गोसं की जीत का सिलसिला

प्रभाव के बाले: इस सीजन में गोसं की जीत का अधिक ब्लॉक्स (2022 में) में 40.85 की औसत से 24 विकेट लिए हैं, जबकि 52 की औसत से 260 रन भी बनाए हैं। अंस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है।

गोसं की जीत का सिलसिला

मजबूत आक्रमण: ओडिशा एफसी के 36 गोल इस सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा हैं, जिसमें डिल्गोंगो, जैरी

जिसमें पहली पारी में 65/4 रन का विश्वास आपने किए हैं।

गोसं की जीत का सिलसिला

प्रभाव के बाले: इस सीजन में गोसं की जीत का अधिक ब्लॉक्स (2022 में) में 40.85 की औसत से 24 विकेट लिए हैं, जबकि 52 की औसत से 260 रन भी बनाए हैं। अंस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है।

गोसं की जीत का सिलसिला

मजबूत आक्रमण: ओडिशा एफसी के 36 गोल इस सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा हैं, जिसमें डिल्गोंगो, जैरी

जिसमें पहली पारी में 65/4 रन का विश्वास आपने किए हैं।

गोसं की जीत का सिलसिला

प्रभाव के बाले: इस सीजन में गोसं की जीत का अधिक ब्लॉक्स (2022 में) में 40.85 की औसत से 24 विकेट लिए हैं, जबकि 52 की औसत से 260 रन भी बनाए हैं। अंस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है।

गोसं की जीत का सिलसिला





























निर्माण सामग्रियों  
से होते हादसे

पति- मैच वाला चैनल लगाओ।  
पत्नी- नहीं लगाऊँगी, क्या करोगे?  
पति- देख लूंगा।  
पत्नी- क्या देख लोगे?  
पति- वहीं, जो चैनल तुम देख रही हो।

छत्तीसगढ़ में हमेस्हा कई तरह के निर्माण कार्य चलते रहते हैं। इसके कारण स्वाभाविक है कि बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्रियों की आवश्यकता पड़ती है। निजी, सरकारी या स्थानीय निकाय विभिन्न निर्माण कार्य करते हैं। इन सभी तरह के निर्माण कार्यों में अवसर जो बात देखने को मिलती है, वह है इसके लिये आवश्यक सामग्रियों का कहीं भी डाल दिया जाना। इनमें सरिया, बालू, इंटें, बजरी, गिटी आदि समेत कई तरह की वस्तुएं होती हैं। सामग्री इस तरह खुले में भंडारण करने वालों की इस बात की कतई चिंता नहीं रहती कि इसके कारण लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है या इससे हादसे हो सकते हैं। राज्य सरकार और स्थानीय निकायों को चाहिये कि उन लोगों पर सख्त कार्रवाई करें जो लापरवाहीपूर्वक भवन निर्माण सामग्रियों को इस तरह से रखते हैं कि जिनसे लोगों को असुविधा हो या कोई अनहोनी हो जाए।

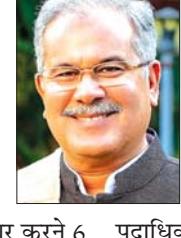
प्रदेश भर में कहीं भी देखें तो सड़कों के दोनों ओर सामग्रियों के ढेर नज़र आयेंगे। फिर, उन्हें इन्हीं अदूर दर्शितपूर्वक रखा जाता है कि आवाजाही करने वाले वाहनों को या तो गति धीमी करनी होती है या बहुत सम्भाल कर चलाना पड़ता है। इसके बावजूद हादसे हो ही जाते हैं। अविकापुर के नज़दीक मेंड्राकला के पास एक बाइक सवार गिटी के ढेर से टक्करकर बुरी तरह से गिर पड़ा। इस दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गयी। इस तरह को दुखद घटनाएं होती रहती हैं। दिन में तो ये सामग्रियों द्वारा खीं परन्तु रात में ये नहीं दिखाई देतीं। यह भी नहीं पता चलता कि ये ढेर कितौ बड़े हैं। कुछ समय पहले रायपुर नगर निगम ने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी शुरू की थी पर वह जारी नहीं रही।

शहर होंगे कास्बे अथवा गांव, जहां भी किसी तरह का कोई निर्माण होता है तो सामग्रियों खेद दी जाती है। बार-बार सामन न लाना पड़े इसके लिये अवसर इसे बड़े पैमाने पर लाकर रख दिया जाता है। फिर, ये कई दिनों तक पड़े रहते हैं। संकरी गिलियां हों तो आना-जाना तक मुश्किल हो जाता है। होना तो यह चाहिये कि सामग्रियों का भंडारण इस प्रकार से हो कि लोगों को असुविधा न हो तथा काम भी चलता रहे।

इस बात को स्वीकार किया जा सकता है कि लोगों के पास और कोई विकल्प नहीं रहता, सिवाय इसके कि वे सामग्री सड़क किनारे रखें। गरीब व मध्यवर्गीय कोई भूखंड लेकर घर बनाते हैं या मरमत अथवा पुनर्निर्माण करते हैं तो उनके पास पर्याप्त जगह नहीं होती, परन्तु जिन लोगों के पास पर्याप्त स्थान होता है वे भी इसकी परवाह नहीं करते। सामग्रियों के परिवहनकर्ता भी इसकी चिंता नहीं करते। उन्हें जहां सुविधा होती है वहां सामग्री गिरकर चलते जाते हैं। जनता हुत असुविधा पैदा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो।

## कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में विधायक रोहित साहू के प्रथम आगमन पर आज सभा करेंगे भूपेश बघेल

## ब्रह्माकुमारी दीदी अंशु ने किया स्वागत



बलौदाबाजार, 5 फरवरी (देशबन्धु)। बलौदाबाजार नगरीय निकाय चुनाव के चलते आज बलौदाबाजार घर बनाते हैं या मरमत अथवा पुनर्निर्माण करते हैं तो उनके पास पर्याप्त जगह नहीं होती, परन्तु जिन लोगों के पास पर्याप्त स्थान होता है वे भी इसकी परवाह नहीं करते। सामग्रियों के परिवहनकर्ता भी इसकी चिंता नहीं करते। उन्हें जहां सुविधा होती है वहां सामग्री गिरकर चलते जाते हैं। जनता हुत असुविधा पैदा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो।

राजिम, 5 फरवरी (देशबन्धु)। राजिम विधायक रोहित साहू का खड़ा मा के ब्रह्माकुमारी जैसे प्रथम आगमन पर ओम शार्ति भवन में संस्थान की संचालिका ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने आत्म स्मृति का तिलक पर गुलदार से स्वागत किया। विधायक मिलने वाली नाम वापसी के अंतिम दौर में कांग्रेस प्रत्याशी ने कांग्रेस के समर्थन में बोट की अपील एवं चुनाव प्रचार करने 6 फरवरी को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश अधिक संख्या में गार्डन। चौक में शाम 4 बजे उपस्थित होने की अपील है।



राजिम, 5 फरवरी (देशबन्धु)। राजिम विधायक रोहित साहू का खड़ा मा के ब्रह्माकुमारी जैसे प्रथम आगमन पर ओम शार्ति भवन में संस्थान की संचालिका ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने आत्म स्मृति का तिलक पर गुलदार से स्वागत किया। विधायक मिलने वाली नाम वापसी के अंतिम दौर में कांग्रेस प्रत्याशी ने कांग्रेस के समर्थन में बोट की अपील एवं चुनाव प्रचार करने 6 फरवरी को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश अधिक संख्या में गार्डन। चौक में शाम 4 बजे उपस्थित होने की अपील है।

के गोविंद, बी. के. लवण साहू, बी. के. भोज ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य द्वय चंद्रशेखर साहू एवं केशरी धूर, जनपद अध्यक्ष तोके श्री मंझी, सरपंच प्रेमा पूर्णिमा कंवर मंग मंग अध्यक्ष पंकज निर्मलकर, सोमन यादव, प्रियंका संदीप पाण्डे, लुगशन सिंह सहित संख्या में पंचायत प्रतिनिधि, क्षेत्रीय कार्यकर्ता ग्रामवासी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## भाजपा ने जारी किया 20 बिंदुओं का अटल विश्वास पत्र कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी

महासंघ, 5 फरवरी (देशबन्धु)।



बिजली बिल, समेकित कर पटाने वाले पीएम आवास के लिए बनेंगे पात्र



